मुहावरे

मुहावरे की परिभाषा

भाषा भावों एवं विचारों को आदान-प्रदान करने का माध्यम है। अपनी बातों को प्रभावशाली ढ़ंग से व्यक्त करने के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है। मुहावरों के प्रयोग से कई बार साधारण अर्थ वाले शब्दों को भी विशेष अर्थ में प्रकट किया जा सकता है;

जैसे -

हाथ मलना:- (पछताना) समय निकल जाने पर हाथ मलने से कोई फायदा नहीं है।

मुहावरे

मुहावरें –

1. **अक्ल का दुश्मन** - (मुर्ख) उसे समझाने से कोई फायदा नहीं है, वह अक्ल का दुश्मन है।

2. **अंधे की लाठी** - (एक मात्रा सहारा) राहुल अपने बूढ़े माता-पिता के लिए अंधे की लाठी है।

3. **अपने मुँह मिया मिट्ठू बनाना** - (अपनी तारीफ स्वयं करना) अपने मुँह मिया मिट्ठू बनाना अच्छी बात नहीं होती है।

4. **अपने पैरों पर खड़ा होना** - (दुसरों पर अश्रित न रहना) पढ़ाई पूरी होने के बाद वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

5. **अपने पैरों पर कुल्हारी मारना** - (स्वयं अपना नुकसान करना) उससे दुश्मनी करके तुमने अपने पैरों पर स्वयं कुल्हारी मार ली।

6. **अँगूठा दिखाना** - (मना करना) अपने मित्र से मैंने खिलौने माँगें तो उसने मुझे अँगुठा दिखा दिया।

7. **आग में घी डालना** - (क्रोध को भड़काना) दोनों मित्रों की लड़ाई में तुमने आग में घी डालने का काम किया।

8. **आँख खुलना** - (सच्चाई का पता चलना) अपने मित्र से धोखा खाने के बाद ही उसकी आँखें खुली।

9. **आँखों में धूल झोंकना** - (धोखा देना) चोर पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भाग गया।

10. **इधर-उधर की हाँकना** - (व्यर्थ की बात करना) इधर-उधर की बात मत करो, अपने काम पर ध्यान दो।

11. **ईंट से ईंट बजाना** - (नष्ट कर देना) युद्ध में भारतीय सौनिकों ने दुश्मनों की ईंट से ईंट बजा दी।

12. **ईंद का चाँद होना** - (बहुत दिनों बाद दिखना) तुम तो ईंद का चाँद हो गए हो, काफी दिनों से मिले नहीं।

13. **उल्टी गंगा बहाना** - (कठिन कार्य करना) तुम्हारें लिए परिक्षा में पास होना उल्टी गंगा बहाने के समान है।

14. **उँगली उठाना** - (दोष देना) सबूत नहीं होने पर किसी पर उँगली नहीं उठानी चाहिए।

15. **कलेजे क टुकड़ा** - (बहुत प्रिय) इकलौता बेटा होने के कारण वह अपने माता पिता के कलेजे का टुकड़ा है।

16. **कफन सिर पर बाँधना** - (मरने को तैयार रहना) सैनिक युद्ध में कफ़न सिर पर बाँध कर चलते हैं।

17. **कटे पर नमक छिड़कना** - (दु:खी व्यक्ति को और दु:ख देना) वह बहुत दु:खी है। तुम उसके कटे पर नमक मत छिड़को।

18. **कमर टूटना** - (हिम्मत टूटना) इतना परिश्रम करने के बावजूद असफल होने से मानो उसकी कमर ही टूट गई है।

19. **कान का कच्चा होना** - (चुगली पर ध्यान देना) रोहित अच्छा लड़का है पर कान का कच्चा है।

20. **कान पर जूँ न रेंगना** - (किसी बात पर ध्यान न देना) इतना समझाने के बाद भी तुम्हारे कान पर जूँ तक नहीं रेंगती है।

21. **खरी-खोटी सुनाना** - (भला-बुरा कहना) राहुल ने मोनू को खूब खरी-खोटी सुनाई।

22. **गाल बजाना** - (तर्क करना) उसकी बातों पर ध्यान मत दो, उसकी तो आदत है गाल बजाने की।

23. **खून पसीना एक करना** - (कठिन परिश्रम करना) परीक्षा में प्रथम स्थान पाने के लिए मैंने खून पसीना एक कर दिया।

24. **गागर में सागर भरना** - (कम शब्दों में अधिक कहना) बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।

25. **गड़े मुर्दे उखाड़ना** - (बीती बातों को याद करना) गड़े मुर्दे उखाड़ने से कोई फायदा नहीं है, उन्हें भूल जाओ।

26. **गुड़-गोबर होना** - (बनती बात बिगड़ जाना) तुम्हारी बेबकूफी के कारण सारा गुड़-गोबर हो गया।

27. **<u>घी के दिए जलाना</u>** - (अधिक खुश होना) बहुत दिनों के बाद बेटे के सकुशल घर लौट जाने पर माँ ने घी के दिए जलाए।

28**. <u>घर सिर पर उठाना</u>** - (बहुत शोर करना) बच्चों ने पूरे घर को सिर पर उठा लिया है।

29. **<u>घोड़ें बेचकर सोना</u>** - (गहरी नींद में होना) इतना परिश्रम करने से वह थककर घोड़े बेचकर सो गया है।

30. **<u>घाव पर नमक छिड़कना</u>** - (दु:खी को और कष्ट देना) उससे ज़्यादा पूछ ताछ करके तुम उसके घाव पर नमक मत छिड़को।

31. **<u>चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना</u>** - (भयभीत होना) पकड़े जाने पर चोर के चेहरे की हवाइयाँ उड़ गई।

32. **<u>चादर से बाहर पैर फैलाना</u>** - (हैसियत से अधिक खर्च करना) बेटी की शादी में उसने अपने पैर चादर से बाहर फैला कर खर्च किया।

33. **<u>छाती पर साँप लोटना</u>** - (दूसरे की तरक्की देखकर जलना) अपने मित्र की सफलता देखकर राहुल की छाती पर मानो साँप लोटने लगे।

34. **<u>छठी का दूध याद आना</u>** - (कठिनाई में पड़ना) पहलवान से लड़ते समय कुश को छठी का दूध याद आ गया।

35. **<u>छोटा मुँह बड़ी बात</u>** - (अपनी हैसियत से अधिक बोलना) छोटा मुँह बड़ी बात करने से पहले अच्छी तरह सोच लेना नहीं तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

36. **<u>जान पर खेलना</u>** - (खतरा उठाना) देश को आंतकवादियों से बचाने के लिए वह सैनिक जान पर खेल गया।

37. **<u>तिल का तार बनाना</u>** - (छोटी सी बात को बड़ा करना) तिल का तार बनाने की तुम्हारी पुरानी आदत है।

38. **<u>दाँत खट्टे करना</u>** - (बुरी तरह हराना) हिन्दुस्तानी सेना ने दुश्मनों के दाँत खट्टे कर दिए।

39. **<u>दाहिना हाथ होना</u>** - (सहायक होना) तुम मेरे दाहिने हाथ हो। तुम्हारे बिना मैं कुछ भी नहीं कर सकता हूँ।

40. **<u>दिन दुनी रात चौगुनी तरक्की करना</u>** – (बहुत जल्दी अधिक तरक्की करना) सौरभ आजकल दिन दुनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है।

41. **<u>ज़मीन पर पाँव न पड़ना</u>** - (घमंड होना) अधिक तरक्की हो जाने से उसके पैर ज़मीन पर नहीं पड़ रहे हैं।

42. **<u>नमक हलाल होना</u>** - (कृतज्ञ होना) रामू अपने मालिक का नमक हलाल नौकर है।

43**. <u>नमक हराम होना</u>** - (कृतघ्न होना) तुम्हारी इतनी सहायता करने पर भी तुम नमक हराम ही रहे।

44. **<u>नौ-दो-ग्यारह होना</u>** - (भाग जाना) पुलिस के आने से पहले चोर नौ-दो-ग्यारह हो गए।

45. **<u>पानी-पानी हो जाना</u>** - (शर्मिंदा होना) परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर वह शर्म से पानी-पानी हो गया।

46. **<u>फूला न समाना</u>** - (अधिक प्रसन्न होना) परीक्षा में सफल हो जाने से नरेश फूला नहीं समा रहा है।

47. **<u>बहती गंगा में हाथ धोना</u>** - (अवसर का लाभ उठाना) सभी को देखकर मैंने भी बहती गंगा में अपने हाथ धो लिए।

48**. <u>मुँह में पानी भर जाना</u>** - (ललचाना) इतना स्वादिष्ट भोजन देखकर उसके मुँह में पानी भर गया।

49. **<u>सोने पर सुहागा</u>** - (अच्छे पर और अच्छा होना) एक पुस्तक लेने पर एक मुफ्त है। यह तो सोने पे सुहागा है।